

टोबैको एंडगेम

प्रलिस के लिये:

तंबाकू, डब्ल्यूएचओ, डब्ल्यूएचओ एफसीटीसी, डेनकोटाइजेशन, एनएफएचएस -5।

मेन्स के लिये:

तंबाकू - इसका प्रभाव और उनमूलन उपाय।

चर्चा में क्यों?

वर्ष 2025 तक धूम्रपान मुक्त होने की अपनी योजना को पूरा करने के लिये न्यूजीलैंड की संसद ने हाल ही में धूम्रपान मुक्त वातावरण और वनियमिति उत्पाद (स्मोकड टोबैको) संशोधन विधायक पेश किया है।

- न्यूजीलैंड का अनुकरण करते हुए मलेशिया वर्ष 2007 के बाद पैदा हुए लोगों को धूम्रपान और ई-सिगरेट सहित सभी तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने पर भी विचार कर रहा है।

तंबाकू एंडगेम पर न्यूजीलैंड का विधायक:

- परिचय:**
 - 'टोबैको एंडगेम' एक नीतितंत्र दृष्टिकोण को संदर्भित करता है जो 'तंबाकू मुक्त भविष्य' के उद्देश्य से तंबाकू से होने वाली बीमारी को समाप्त करने पर केंद्रित है।
 - विधायक में धूम्रपान को महत्त्वपूर्ण रूप से कम करने या इसे समाप्त करने के लिये तीन रणनीतियों की मांग की गई है।
 - यदि विधायक को लागू किया जाता है तो यह दुनिया का पहला कानून होगा जो अगली पीढ़ी को कानूनी रूप से सिगरेट खरीदने से रोकेगा।
- प्रस्तावित रणनीतियाँ:**
 - तंबाकू में निकोटीन (जिससे "डनिकोटनाइजेशन" या "बहुत कम निकोटीन सिगरेट- VLNC" के रूप में जाना जाता है) की मात्रा को काफी कम कर देना ताकि नशे की लत न हो।
 - तंबाकू बेचने वाली दुकानों की संख्या में 90% से 95% की कमी।
 - 1 जनवरी, 2009 को या उसके बाद पैदा हुए लोगों को तंबाकू बेचना अवैध (इस प्रकार "धूम्रपान मुक्त पीढ़ी") बनाना।

तंबाकू सेवन की वर्तमान स्थिति:

- वैश्विक:**
 - तंबाकू महामारी दुनिया के अब तक के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों में से एक है, जिसके कारण प्रतिवर्ष 80 लाख से अधिक लोग मारे जाते हैं (वैश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार), जिसमें अप्रत्यक्ष तौर पर (सिगरेट के धुँएँ आदिकारणों से) प्रभावित 1.2 मिलियन मौतें शामिल हैं।
 - दुनिया भर में हर चार में से एक व्यक्ति तंबाकू का सेवन करता है।
 - तंबाकू के सभी रूप हानिकारक हैं, और तंबाकू के संपर्क में आने का कोई सुरक्षा स्तर नहीं है।
 - सिगरेट धूम्रपान दुनिया भर में तंबाकू के उपयोग का सबसे आम रूप है।
 - अन्य तंबाकू उत्पादों में वाटरपाइप तंबाकू, विभिन्न धुआँ रहित तंबाकू उत्पाद, सिगार, सिगारलिस, रोल-योर-ओन तंबाकू, पाइप तंबाकू, बीड़ी और क्रेटेक्स शामिल हैं।
 - तंबाकू का उपयोग कई दीर्घकालिक बीमारियों के लिये एक प्रमुख जोखिम कारक है, जिसमें कैंसर, फेफड़े की बीमारी, हृदय रोग और स्ट्रोक शामिल हैं।
- भारत में स्थिति:**
 - राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (वर्ष 2019-21) के अनुसार, 15 वर्ष से अधिक आयु के 38% पुरुष और 9% महिलाएँ तंबाकू

उत्पादों का सेवन करते हैं।

- अनुसूचति जनजातों से संबंधित महिलाएँ (19%) और पुरुष (51%) में किसी भी अन्य जाति/जनजात समूह के लोगों की तुलना में तंबाकू का सेवन करने की अधिक संभावना होती है।
- पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं में, शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों (पुरुषों के लिये 43 प्रतिशत और महिलाओं के लिये 11 प्रतिशत) में तंबाकू सेवन अधिक होता है।
- लगभग पाँच में से तीन पुरुष और 15% महिलाएँ बना सकूली शक्ति या 5 साल से कम सकूली शक्ति के साथ तंबाकू का उपयोग करती हैं।

■ तंबाकू की खपत का सामाजिक-आर्थिक बोझ:

- तंबाकू के उपयोग के कारण लोग घर के खर्च, भोजन और आश्रय जैसी बुनियादी जरूरतों पर खर्च नहीं करते हैं। **तंबाकू पर खर्च करते हैं जिससे गरीबी में वृद्धि होती है।**
- तंबाकू के उपयोग की आर्थिक लागत पर्याप्त है और इसमें तंबाकू के उपयोग से होने वाली बीमारियों के इलाज के लिये जरूरी स्वास्थ्य देखभाल लागत के साथ-साथ तंबाकू के कारण होने वाली रुग्णता और मृत्यु दर के परिणामस्वरूप मानव पूंजी की हानि भी शामिल है।
- यह **भारत में मृत्यु और बीमारी के प्रमुख कारणों में से एक है और हर साल लगभग 1.35 मिलियन मौतों का कारण है।**
 - भारत तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता और उत्पादक भी है। देश में विभिन्न प्रकार के तंबाकू उत्पाद बहुत कम कीमतों पर उपलब्ध हैं।
 - तंबाकू के उपयोग के लिये ज़िम्मेदार कुल आर्थिक लागत (वर्ष 2017-18 में भारत में सभी बीमारियों से 35 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिये) **177,341 करोड़ रुपये थी।**

उच्च तंबाकू खपत से निपटने हेतु उपाय:

■ वैश्विक पहल:

○ तंबाकू नियंत्रण पर डबल्यूएचओ फ्रेमवर्क कन्वेंशन:

- इसे तंबाकू महामारी के वैश्विक रोकथाम के लिये विकसित किया गया था और यह एक साक्ष्य-आधारित संधि है जो सभी लोगों के स्वास्थ्य के उच्चतम स्तर के अधिकार की पुष्टि करती है।
- भारत ने WHO FCTC के इस ढाँचे के तहत **तंबाकू नियंत्रण प्रावधानों को अपनाया है।**

○ वशिव तंबाकू नषिध दविस:

- तंबाकू सेवन के घातक प्रभावों के बारे में जागरूकता का वसतिार करने हेतु प्रत्येक वर्ष 31 मई को **'वशिव तंबाकू नषिध दविस'** के रूप में मनाया जाता है।

■ भारत द्वारा की गई पहल:

○ सगिरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (COTPA), 2003:

- इसने **1975 के सगिरेट अधिनियम (उत्पादन, आपूर्ति और वितरण विनियमन)** को बदल दिया (बड़े पैमाने पर वैधानिक चेतावनियों तक सीमिति- 'सगिरेट धूम्रपान स्वास्थ्य के लिये हानिकारक है' को सगिरेट पैक और वजिजापनों पर प्रदर्शित किया जाता है। इसमें गैर-सगिरेट उत्पाद शामिल नहीं थे)।
- वर्ष 2003 के अधिनियम में सगिर, बीड़ी, चेरूट (फिल्टर रहित बेलनाकार सगिर), पाइप तंबाकू, हुक्का, चबाने वाला तंबाकू, पान मसाला और गुटखा भी शामिल थे।

○ ई-सगिरेट नषिध अध्यादेश, 2019:

- यह ई-सगिरेट के उत्पादन, नरिमाण, आयात, नरियात, परिवहन, बिक्री, वितरण, भंडारण और वजिजापन को प्रतिबंधित करता है।

○ नेशनल टोबैको क्वटिलाइन सर्वसिज (NTQLS):

- नेशनल टोबैको क्वटिलाइन सर्वसिज बड़ी संख्या में तंबाकू उपयोगकर्ताओं तक पहुँच बनाने में सक्षम है, जिसका एकमात्र उद्देश्य टेलीफोन आधारित जानकारी, सलाह, समर्थन और तंबाकू छोड़ने के इच्छुक लोगों को परामर्श सेवाएँ प्रदान करना है।

○ एम-सेसेशन (mCessation) कार्यक्रम:

- यह कार्यक्रम तंबाकू छोड़ने के लिये मोबाइल प्रौद्योगिकी पर आधारित एक पहल है।
- भारत ने वर्ष 2016 में सरकार के डिजिटल इंडिया पहल के हिस्से के रूप में पाठ्य संदेशों (Text Messages) का उपयोग कर इस कार्यक्रम की शुरुआत की थी।

स्रोत:डाउन टू अर्थ